एचएएल

समन्वया

अंक - 34, अगस्त 2022

भाषा की समृद्धि स्वतंत्रता का बीज है।

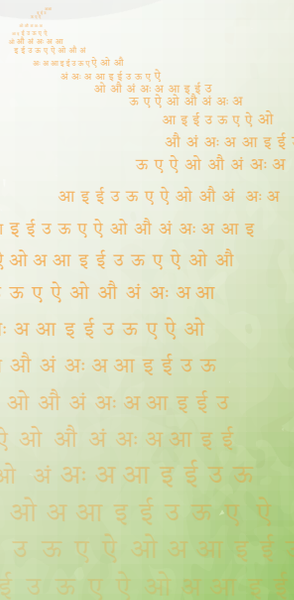

- विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य चेकअप
- प्रयोगशाला परीक्षणों का पूर्ण स्पेक्ट्रम (नियमित एवं विशेषता दोनों)
- 24x7 सेवा
- कोविड-19 के लिए सटीक और त्वरित टेस्टिंग
- नवीनतम प्रयोगशाला उपकरण एवं तकनीक
- विशेषज्ञों के साथ ओपीडी क्लीनिक
- निवारक स्वास्थ्यरक्षा सेवाएं

आप का अपॉइंटमेंट अब बुक करें।

@9400027969, 0471 2443445/2443446

NABL
ACCREDITED LABORATORY

हिंदलैब्स डायग्नोस्टिक सेंटर & स्पेश्यालिटी क्लीनिक
ट्रिडा कॉम्प्लेक्स, मेडिकल कॉलेज जंक्शन
तिरुवनंतपुरम, info@hindlabs.in
www.hindlabs.in, 0471 2443445/2443446

हिंदलैब्स
नैदानिक केन्द्र
एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

तिरुवनंतपुरम ▪ त्रिशूर ▪ आलप्पुषा ▪ कोट्टयम ▪ कोषिकोड

विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	05
संपादकीय	07
एचएलएल में आज़ादी का अमृत महोत्सव	08
76 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह	12
एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्वीसस लिमिटेड (हाइट्स) -राष्ट्र के विकास में योगदान	14
हिंदलैब्स ट्रिडा को एनएबीएल मान्यता	16
एचएलएल को संशोधित स्पेसर बलून के लिए इंडियन पेटेंट	18
लाइफस्प्रिंग अस्पताल - मध्यवर्ग की महिलाओं को राहत	20
कोविड -19 महामारी से मुकाबला करने में एचएलएफपीपीटी की भूमिका	22
एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक झलक	26
सृजनशीलता	34
ताज़ा खबर	43

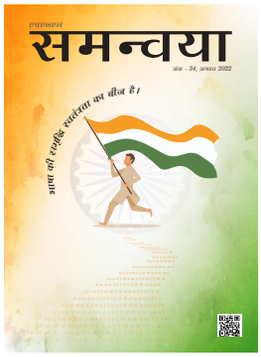

अंक 34, अगस्त 2022

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, **मुख्य संपादक** डॉ. रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), **संपादक मंडल** डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ. सुरेष कुमार. आर, प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन

समन्वयक के.मुरलीधरन, सहायक प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार)

डिजाइनिंग श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार)

मुद्रक अक्षरा ऑफसेट प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।

संपादित एवं प्रकाशित (केवल मुफ्त परिचालनार्थ) हिंदी विभाग, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाषः 2354949.

वेबः www.lifecarehll.com **फैक्सः** 0471-2358890

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का कोई संबंध नहीं है।

संविधान की अष्टम अनुसूची में विनिर्दिष्ट भाषाएं

1. असमिया	6. गुजराती	11. मराठी	16. मणिपुरी	21. बोडो
2. उड़िया	7. तमिल	12. मलयालम	17. नेपाली	22.डोगरी
3. उर्दु	8. तेलुगु	13. संस्कृत	18. कोंकणी	
4. कन्नड़	9. पंजाबी	14. सिन्धी	19. मैथिली	
5. कश्मीरी	10. बंगला	15. हिंदी	20. संथाली	

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी किए जानेवाले दस्तावेज़

1. सामान्य आदेश	General Order
2. संकल्प	Resolution
3. नियम	Rules
4. अधिसूचना	Notification
5. प्रेस संसूचनायें/विज्ञप्तियाँ	Press Communiques/Releases
6. संविदा	Contracts
7. करार	Agreements
8. अनुज्ञप्तियाँ	Licenses
9. अनुज्ञापत्र	Permits
10. सूचना	Notice
11. निविदा प्रपत्र	Forms of Tender
12. निविदा सूचनायें	Tender Notices
13. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने वाले शासकीय कागज़ातें	Official Papers to be laid before a House or Houses of Parliament
14. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक और अन्य रिपोर्टें	Administrative and other reports to be laid before a House or Houses of Parliament

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

'अगर आप ज़िन्दगी में कुछ पाना चाहते हैं, विजय के सोपानों पर चढना चाहते हैं, तो समय की कीमत को सही ढंग से समझकर काम करना अनिवार्य है।'

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, मानव की स्वास्थ्य सुरक्षा पर संकेंद्रित कंपनी, ने गत पचपन सालों से उतार - चढाव की कई चुनौतियों का सामना करने के बीच में भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ राज्य एवं देशीय स्तर पर अपने विपणन - श्रृंखला को विस्तार करते हुए नूतन परियोजनाओं से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रेखांकित करने में समर्थ निकला है। दरअसल एचएलएल द्वारा अपने स्वास्थ्यरक्षा उत्पादों से देश भर के स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में तथा आम जनता के लिए की जा रही सेवायें इस बात को साबित करता है। अब कंपनी अपनी सभी यूनिटों, सहायक कंपनियों एवं सामाजिक जिम्मेदारी न्यासों, यानी हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास(एचएलएफपीपीटी) एवं एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए), के सक्रिय समन्वयन से स्वस्थ संपुष्ट राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने पर अधिक प्रमुखता देते हुए जनोपयोगी सेवायें कार्यान्वित करके प्रगति की ओर प्रयाण कर रही है। ऐसे पर्यावरण अनुकूल सेवाओं को भलीभांति साकार करने के फलस्वरूप एचएलएल विविध राज्यस्तरीय उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए हकदार बन गयी है।

एचएलएल ने भारतीयों की स्वास्थ्यरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाने पर फोकस करने के साथ ही संघ सरकार की राजभाषा नीति को अमल करने के हमारे संवैधानिक दायित्व को पूरा करने के लिए प्रचलित वर्ष में राजभाषा नीति और टिप्पण एवं आलेखन पर अखिल भारतीय रिफ्रेशर कार्यक्रम, भारतीय भाषा कवि सम्मेलन, राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यपालकों के लिए राजभाषा नीति एवं निर्धारित लक्ष्यों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, रोज़ एक शब्द पढिए कार्यक्रम के अधीन स्मरण परीक्षा आदि वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यक्रम आयोजित किये। इसी प्रकार हर साल ऊपर बताये जैसे रंगारंग हिंदी कार्यक्रम आयोजित करने के परिणामस्वरूप हमारी कंपनी राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, टोलिक राजभाषा पुरस्कार जैसी विभिन्न उपलब्धियाँ हासिल कर सकी।

मैं एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के चौंतीसवाँ अंक अतीव प्रसन्नता के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूँ, जो कंपनी की नयी परियोजनाओं एवं हिंदी की गतिविधियों के विवरण देने में सक्षम है। मेरी कामना है, सभी पाठक इस पत्रिका को पढें और अच्छे लेखों से अगले अंक को ज्ञानवर्द्धक बनाने की पूरी कोशिश करें।

हार्दिक बधाइयों के साथ।

बेजी जोर्ज

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हिंदी बोले और लिखे जाने के आधार पर देश के राज्यों का विभाजन।

क्षेत्र 'क'	REGION 'A'
बिहार	BIHAR
झारखण्ड	JHARKHAND
हरियाणा	HARYANA
हिमाचल प्रदेश	HIMACHEL PRADESH
छत्तीसगढ़	CHATTISGARH
मध्य प्रदेश	MADHYA PRADESH
राजस्थान	RAJASTHAN
उत्तर प्रदेश	UTTAR PRADESH
उत्तरांचल	UTTARANCHAL
अंडमान और निकोबार द्वीप	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र	UNION TERRITORY OF DELHI

क्षेत्र 'ख'	REGION 'B'
गुजरात	GUJARAT
महाराष्ट्र	MAHARASHTRA
पंजाब	PUNJAB
चंडीगढ़	CHANDIGARH
&	&
संघ राज्य क्षेत्र	UNIONTERRITORIES OF
दामन ड्यू	DAMAN DUE
दादर & नगरहवेली	DADAR & NAGARHAVELI

क्षेत्र 'ग'	REGION 'C'
असम	ASSAM
आंध्रा प्रदेश	ANDRA PRADESH
उड़ीसा	ORISSA
कर्नाटका	KARNATAKA
केरल	KERALA
जम्मू & कश्मीर	JAMMU & KASHMIR
तमिल नाडु	TAMIL NADU
त्रिपुरा	TRIPURA
नागालैण्ड	NAGALAND
पश्चिम बंगाल	WEST BENGAL
मणिपुर	MANIPUR
मेघालय	MEGHALAYA
सिक्किम	SIKKIM
मिज़ोराम	MIZORAM
गोवा	GOA
अरुणाचल प्रदेश	ARUNACHAL PRADESH
&	&
संघ राज्य क्षेत्र	UNIONTERRITORIES OF
पुतुच्चेरी	PUDUCHERRY
लक्षद्वीप	LEKSHADWEEP

संपादकीय

'उत्कृष्टता, सक्रिय योजना और केंद्रित परिश्रम के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है उत्पादकता ।'

यह जाहिर है कि हिंदी भाषा भारत की सामासिक सभ्यता के संपूर्ण तत्वों को अभिव्यक्त करने का सशक्त श्रोत है। साथ ही भारत के विभिन्न भाषा - भाषी लोगों के बीच तालमेल स्थापित करने के लिए एकदम सशक्त भाषा भी है। अतः इस भाषा के प्रचार - प्रसार में अधिक ज़ोर देते हुए अधिकाधिक लोगों को यह भाषा समझने, सीखने, लिखने एवं बातचीत करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना हमारा उत्तरदायित्व मानते हुए अंतरंगी मात्र नहीं बहिरंगी हिंदी कार्यक्रम भी आयोजित करके हम दूसरों के लिए पथप्रदर्शक की भूमिका निभाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए हम वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित हिंदी कार्यों के अलावा नवाचार हिंदी कार्यक्रमों को लागू करने के लिए लगातार सम्यक परिश्रम करते हैं।

इस प्रकार हमारी कंपनी देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं जिम्मेदारियों को पूरा करने में प्रमुखता देने के साथ ही राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन को लागू करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा समय - समय पर दिये जानेवाले दिशानिर्देशों का भी शत प्रतिशत अनुपालन करती है। इसके मद्देनज़र कंपनी के कर्मचारियों के लिए पदनामवार राजभाषा कार्यशाला, हिंदी में तकनीकी सेमिनार, भारतीय भाषा कवि सम्मेलन, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राजभाषा सेमिनार जैसे विभिन्न हिंदी कार्यक्रम समय पर ही आयोजित करने में हम सक्षम बन गये हैं और आगे के हिंदी कार्यक्रमों के लिए योजना भी तैयार की गयी है।

मैं, एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के चौंतीसवाँ अंक से कंपनी की राजभाषा गतिविधियों का संपूर्ण विवरण सभी पठिताओं को प्रेषित करना चाहता हूँ। साथ ही इस पत्रिका के अगले अंक के कलेवर को और भी सारगर्भित बनाने के लिए आपके सुझाव की प्रतीक्षा करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

रॉय सेबास्टियन

डॉ.रॉय सेबास्टियन
उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

एचएलएल में आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत के स्वतंत्रता दिवस के 75 वॉ वर्ष के उपलक्ष्य में, भारत सरकार ने ''आज़ाादी का अमृत महोत्सव'' नामक एक पहल प्रारंभ किया, जो हमें अपनी लंबी और ऐतिहासिक यात्रा और हमारी आगे की यात्रा पर किए जानेवाले संकल्पों की याद दिलाने का एक उत्सव है। इस संबंध में गांधीनगर में 9 से 12 जून 2022 तक वित्त मंत्रालय के मार्गनिर्देश में लोक उद्यम विभाग द्वारा एक बडी प्रदर्शनी आयोजित की गयी। प्रदर्शनी का विषय ''स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में सार्वजनिक उद्यमों का योगदान'' था और इसने वर्षों से हमारे राष्ट्र के 75 प्रमुख सीपीएसई की उपलब्धियों और योगदान को प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी में भाग लेना एचएलएल के लिए सौभाग्य की बात थी और इनसे एचएलएल को पिछले 56 वर्षों में अपनी यात्रा और न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में जनता के जीवन और स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रभाव को प्रदर्शित करने का एक आदर्श अवसर दिया। एचएलएल द्वारा प्रदर्शित मंच में:

▪ **एचएलएल का अवलोकन :** एचएलएल गर्भनिरोधकों के विनिर्माण के अपने मुख्य व्यवसाय का विस्तार करके और ब्लड बैग, स्यूचेर्स, फार्मास्यूटिकल्स, सैनिटरी नैपकिन आदि जैसे अन्य स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों के विनिर्माण में विविधीकृत करके एक कंडोम विनिर्माण कंपनी से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएँ प्रदान करने वाली एक वैश्विक ब्रांड बन गया है। विनिर्माण, विपणन, अनुसंधान और विकास, नवीन प्रौद्योगिकियों में एचएलएल की ताकत विस्तार से चित्रण करने वाली प्रदर्शनी आगंतुकों को आकर्षित कर दिया गया।

▪ **स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र में एचएलएल द्वारा दी जा रही सेवाएँ:** गर्भनिरोधकों और स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी क्रेडेंशियल स्थापित करने के अलावा, एचएलएल उनकी कई परियोजनाओं के लिए विशेष रूप से चिकित्सा नैदानिक सेवाएं, मातृ एवं शिशु अस्पतालों का संचालन और उचित मूल्य की दूकानों

से जेनेरिक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की बिक्री के क्षेत्र में भरोसेमंद कार्यान्वयन भागीदार है।

एचएलएल का स्वास्थ्यरक्षा सेवा ब्रांड हिंदलैब्स पूरे भारत में अत्याधुनिक नैदानिक केंद्रों और क्लिनिकल लैबोरटरियों का एक नेटवर्क है। यह आम जनता के लिए किफायती मूल्य पर सबसे व्यापक और उन्नत इमेजिंग और लैबोरटरी सेवाएं प्रदान करता है। हिंदलैब्स आज भारत के 13 राज्यों में 280 नैदानिक केंद्रों की एक श्रृंखला है। अमृत (उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय इम्प्लांट्स) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक पहल पार्मेसियों का एक नेटवर्क है जो अधिकतम रिटेल मूल्य (एम आर पी) के 40% तक की औसत छूट पर 5200 से अधिक दवाएं, इम्प्लांट्स, सर्जिकल डिस्पोजेबल और अन्य उपभोग सामग्रियों की पेशकश करती है। आज 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालन कर रहे 233 आउटलेट्स से आवश्यक और साथ ही जेनेरिक दवाएं प्रदान कर रहे हैं।

- **महिला केंद्रित स्वास्थ्य रक्षा समाधान** एचएलएल सभी उम्र की महिलाओं को - उनके सामाजिक, मानसिक और शारीरिक कल्याण को संबोधित करके संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के वादे के साथ महिला स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। उत्पाद बास्केट में गर्भनिरोधक, ओव्यूलेशन इंड्यूसर, एंटी-इमेटिक, मासिकधर्म चक्र नियामक, एंटी - फाइब्रिनोलिटिक्स, एमटीपी गोलियाँ, गर्भावस्था परीक्षण किट, प्राकृतिक उत्पाद और टीके शामिल हैं। भारत में मासिकधर्म स्वच्छता प्रबंधन के अग्रदूतों में से एक के रूप में, एचएलएल सैनिटरी नैपकिन और मासिकधर्म कप जैसे स्वच्छता उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है और स्कूलों, कार्यालयों और घरों में अलग-अलग आकार के इंसिनेरेटरों की स्थापना के माध्यम से निपटान समाधान भी पेश करता है।

- **एचएलएल इंफ्राटेक सर्विसस लिमिटेड (हाइट्स)** स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र में अवसंरचना विकास और चिकित्सा उपकरणों एवं उपायों के प्रापण के लिए वर्ष 2014 में संस्थापित, विशेषीकृत, एचएलएल की एक सहायक कंपनी है। हाइट्स निर्माण परियोजनाओं के डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और निष्पादन में सेवाएँ प्रदान करता है। परियोजना एवं निर्माण प्रबंधन, प्रापण, इंजीनियरिंग (सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रुमेंटेशन, मैकेनिकल और बायो-मेडिकल), वित्तीय प्रबंधन, अनुबंध प्रबंधन और कानूनी सेवाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ, टीम ग्राहकों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य रक्षा सुविधाएँ तैयार करने की ज़रूरतों का मार्गदर्शन करता है।

- **एचएलएएफपीपीटी:** एक गैर-लाभकारी संगठन, एचएलएल की एक सहयोगी कंपनी है जो एचआईवी रोकथाम और प्राथमिक स्वास्थ्य रक्षा सहित आरएमएनसीएच अ ए (प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य रक्षा) के पूरे कार्यक्षेत्र में सेवाएँ प्रदान करती है।

प्रदर्शनी, एचएलएल को विभिन्न अन्य सीपीएसई, नीति निर्माताओं, राजनेताओं, नौकरशाहों, व्यवसाय सहयोगियों, उद्यमियों के साथ बातचीत करने के लिए एक बेहतरीन मंच बन गई और मंच ने हमें निम्नलिखित अवसर प्रदान किए गए:

- **सीएसआर गतिविधि के भाग के रूप में अन्य सीपीएसई के साथ साझेदारी का अवसर :** इस आयोजन ने एचएलएल को हमारे उत्पादों और सेवाओं को वितरित करने के लिए अन्य प्रमुख सीपीएसई और उनके ग्राहकों के साथ नेटवर्क करने का अवसर प्रदान किया। एचएलएल ने कई सीपीएसई- आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, कोल इण्डिया लिमिटेड, गेल, सेल, एनसीएल, एसईसीएल, डब्लियुसीएल, एमसीएल, नालको, एनएमडीसी आदि

के साथ मुख्य रूप से सीएसआर कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में साझेदारी की है।

- नीति निर्माताओं और अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों को स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में एचएलएल द्वारा किए गए विभिन्न हस्तक्षेपों से परिचित कराया गया।
- अपने संबंधित स्मार्ट शहरों/टाउनशिप में हिंदलैब्स और अमृत के लॉच के ज़रिए महारत्ना और नवरत्ना सीपीएसई के साथ साझेदारी करने का अवसर।
- अस्पताल/चिकित्सा अवसंरचना से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं और सेवाओं को सामने रखा गया और विभिन्न नीति निर्माताओं ने इसे आगे बढाने में रुचि दिखाई।
- विभिन्न स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में एचएलएल द्वारा की गयी और निष्पादित विभिन्न सीएसआर गतिविधियों जैसे मेडिकल कैंप, स्कूली बच्चों के लिए जागरूकता सत्र, मासिकधर्म प्रबंधन उत्पादों का वितरण आदि प्रदर्शित कर सकता है।

गुजरात में हुई घटना में हमारी क्षमताओं को प्रदर्शित करने के अलावा, एचएलएल के सभी यूनिटों में आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में कई घटनाओं और कार्यक्रमों को आयोजित किया गया था।

- सरकार द्वारा नियोजित कई महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक था वृक्षारोपण अभियान। इस पहल के हिस्से के रूप में, एचएलएल ने भारत भर में नौ स्थानों पर अपनी विनिर्माण यूनिटों और सहायक कंपनियों में 10 और 11 जून 2022 को एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया।
- एचएलएल के राजभाषा विभाग ने आज़ादी का अमृत महोत्सव विषय पर अखिल भारतीय राजभाषा सेमिनार आयोजित किया, जिसमें एचएलएल और उसकी सहायक कंपनियों के कर्मचारियों ने भाग लिया। 24 से अधिक प्रतिभागियों ने इस विषय पर पेपर प्रस्तुत किया और श्रेष्ठ चार प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। शेष 20 प्रतिभागियों को सांत्वना

पुरस्कार भी दिये गये।

- आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, एचएलएल की महिला कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत गाकर एक वीडियो बनाया और इसे एचएलएल की आधिकारिक वेबसाइट, इसके यूट्यूब चैनल - चैनल एचएलएल और अपने आधिकारिक फेसबुक पेज के माध्यम से टेलीकास्ट किया गया।
- एचएलएल के कॉर्पोरेट संचार विभाग ने अंग्रेज़ी, हिंदी और मलयालम में, एचएलएल का इतिहास, विकास और मुख्य क्षमता और समाज पर इसके प्रभाव को दिखानेवाले एक उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो बनाई।
- आज़ादी का अमृत महोत्सव' के राष्ट्रीय लॉच समारोह एचएलएल के एलईडी मॉनिटर के माध्यम से सभी यूनिटों में लाइव टेलिकास्ट किया गया था।

निष्कर्ष 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' ने स्वतंत्र भारत की भावना को जीवित कर दिया है और पिछले 56 वर्षों के दौरान एचएलएल की यात्रा करने वाले मील के पत्थर को फिर से देखने में मदद की है। एचएलएल अपने गतिविधियों के क्षेत्रों और ताकतों को बडे दर्शकों के सामने दिखाने में सक्षम था।

एचएलएल को सभी के लिए वित्तीय कठिनाइयों का सामना करने के बिना निवारक स्वास्थ्य रक्षा और गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सार्वभौमिक पहूंच के माध्यम से उच्चतम स्वास्थ्य और कल्याण प्राप्त करने के लिए अपने सभी प्रयासों का समर्थन करके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ जुडे रहने में गर्व है। लगभग 5000 उच्च शिक्षित योग्य जनशक्ति के साथ, एचएलएल एक स्वस्थ पीढी को सशक्त बना कर एक स्वस्थ भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ●

76 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

एचएलएल निगमित मुख्यालय

कनगला फैक्टरी

पेरूरकडा फैक्टरी

हाइट्स

केंद्रीय विपणन कार्यालय

बालरामपुरम यूनिट

काक्कनाड फैक्टरी

जीएपीएल

आक्कुलम फैक्टरी

एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्वीसस लिमिटेड (हाइट्स)

- राष्ट्र के विकास में योगदान

एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्वीसस लिमिटेड (एचएलएल का 100% समनुषंगी) देश के एक प्रमुख सीपीएसई है, जो स्वास्थ्य सुविधाओं, अर्थात् भवन और चिकित्सा उपकरण दोनों की परिकल्पना, निर्माण, प्रापण, संस्थापन एवं अनुरक्षण, की स्थापना और रखरखाव में कुल समाधान पेश करती है। हाइट्स, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं का निष्पादन कर रहा है। हाइट्स, स्वस्थ भारत के विकास में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य कर रहा है और अपने प्रमुख कार्यक्रम पीएमएसएसवाई स्वास्थ्य सुरक्षा योजना को चलाने में भारत सरकार के साथ साझेदारी करना है जिसका उद्देश्य सस्ती/ विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाओं में वृद्धि करना भी है।

हाइट्स, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एकमात्र राष्ट्रीय प्रापण समर्थन एजेंट (एनपीएसए) है और उन्नयन किए जा रहे सरकारी मेडिकल कॉलेजों एवं पीएमएसएसवाई के तहत नए एम्स के साथ-साथ विभिन्न राज्य सरकार परियोजनाएँ जैसे पंजाब, एम.पी, पश्चिम बंगाल आदि के लिए चिकित्सा उपकरणों के प्रापण के लिए एनपीएसए के रूप में नियुक्त किया गया है। वर्तमान कोविड-19 महामारी की स्थिति में देशों की चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने और इसे सफलतापूर्वक वितरित करने के लिए आपातकालीन प्रापण की ओर आईसीएमआर द्वारा हाइट्स को एक प्रापण समर्थन अभिकरण (पीएसए) के रूप में नियुक्त किया गया है।

हाइट्स ने, मंत्रालय की कार्यकारी एजेंसी (ईए) होने के नाते वर्तमान कोविड-19 महामारी की स्थिति के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- हाइट्स वर्तमान में विभिन्न एम्स, सूपर स्पेशियालिटी ब्लॉक और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य रक्षा परामर्श सेवाओं में वण पॉइन्ट समाधान के माध्यम से रु.18,500 करोड से अधिक की परियोजनाओं की सुपुर्दगी कर रहा है।
- हाइट्स ने देश भर के विभिन्न एम्स,सूपर स्पेशियालिटी ब्लॉक और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 13,00,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र का निर्माण किया है।
- हाइट्स ने विभिन्न एम्स, सूपर स्पेशियालिटी ब्लॉक और सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए रु.14000 करोड से अधिक के चिकित्सा उपकरण खरीदा है।
- पीएमएसएसवाई - III, हुबली, अनंतपुर, बेल्लारी और वारंगल में सूपर स्पेशियालिटी ब्लॉक को कोविड उपचार सुविधा के रूप में संशोधित किया गया है।
- पीएमएसएसवाई-III दरभंगा सूपर स्पेशियालिटी ब्लॉक का उपयोग कोविड-19 टीकाकरण के लिए किया जा रहा है।
- हाइट्स एम्स दिल्ली, एम्स पटना, जीटी बी और एलएनजेपीएच अस्पतालों जैसे कुछ प्रमुख अस्पतालों, मध्य प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेजों, जिपमेर पुदुच्चेरी और अखिल भारतीय आधार पर विभिन्न अन्य मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में कोविड-19 महामारी की स्थिति के दौरान सुविधा प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है।
- हाइट्स, प्रधान मंत्री सुरक्षा निधि भारत सरकार के तहत 179 प्रेशर स्विंग अडसोर्शन (पीएसए) ऑक्सिजन जेनरेशन प्लांट की आपूर्ति कर रहा है।
- हाइट्स, पश्चिम बंगाल के विभिन्न कॉलेजों और मिज़ोरम के कॉलेजों में भी जैव-चिकित्सा उपकरण अनुरक्षण सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

पाइपलाइन में रही मेगा परियोजनाएँ

- ऊना में 100 बिस्तरोंवाले पीजीआईएमईआर सैटलाइट केंद्र के निर्माण के लिए कार्यकारी एजेंसी।
- तालुक अस्पतालों (12 अस्पताल) किफ्बी में बहिरंग रोगी विभाग हताहत और नैदानिक सुविधाओं का विकास।
- फिरोज़पुर, हरियाणा में 100 बिस्तरोंवाले पीजीआईएमईआर सैटलाइट केंद्र का निर्माण।
- सिरसा (हरियाणा) में 500 बिस्तरोंवाली जीएमसी के निर्माण के लिए कार्यकारी एजेंसी।
- रु. 150 करोड के प्राकलन पर यू. पी. सरकार के लिए विभिन्न स्वास्थ्य रक्षा परियोजनाएँ।

हाइट्स अपने वण-पॉइन्ट स्वास्थ्य रक्षा समाधान प्रदाताओं के माध्यम से सभी संभावित सुविधाएँ प्रदान करके 'बिल्डिंग हैप्पिनेस' के अपने आदर्शवाक्य के लिए प्रतिबद्ध है और इसलिए राष्ट्र निर्माण में अपनी सेवा जारी रखता है। ●

हिंदलैब्स ट्रिडा को एनएबीएल मान्यता

ISO 15189: 2012
NABL Accredited Laboratory

हिंदलैब्स नैदानिक केंद्र एवं स्पेशियालिटी क्लिनिक को एनएबीएल (परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड) से प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। चिकित्सा परीक्षण के क्षेत्र में मानक आई एस ओ 15189:2012 "चिकित्सा प्रयोगशालाएँ-गुणवत्ता और क्षमता के लिए आवश्यकताएँ" के अनुसार केंद्र का मूल्यांकन और मान्यता प्राप्त है।

बायोकेमिस्ट्री, इम्यूनोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी और क्लिनिकल पैथोलॉजी, टेस्ट एनएबीएल के दायरे में आएंगे।

हिंदलैब्स, ट्रिडा, मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम जनता को सस्ती कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली लैब सेवाएँ और ओपी क्लिनिक प्रदान करता है। प्राइवेट लैब की तुलना में हिंदलैब 24 घंटे की प्रयोगशाला सेवाएँ 30-60 प्रतिशत कम दर पर उपलब्ध करायी जाती हैं। मई 2016, में स्थापित यह केंद्र क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री, हेमेटोलॉजी, क्लिनिकल पैथोलॉजी, सीरोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में नैदानिक सुविधाएँ प्रदान करता है और सर्वोत्तम गुणवत्ता परिणाम सुनिश्चित करके अच्छी तरह से मानकीकृत प्रयोगशाला सेवाएँ प्रदान करता है। अन्य सेवाओं में केंद्र सामान्य चिकित्सा, पल्मोनरी मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, एन्डोक्राइनोलॉजी और गायनोकोलॉजी, इको सहित अन्य सुविधाएँ, ईसीजी, टीएमटी, पीएफटी, एक्स-रे, युएसजी स्कानिंग, डोप्लर स्कानिंग, फोइटेल स्कानिंग, फिसियोथेरेपी, डेंटल और न्यूरोलैब आदि शामिल हैं।

तिरुवनंतपुरम के विभिन्न स्थानों, जैसे नेडुमंगाडु, कवडियार, जेनरल अस्पताल, वट्टियूरकाव, आक्कुलम, तिरुमला, पेयाड और पेरूरकड़ा, में हिंदलैब के रक्त संग्रह केंद्र हैं । केंद्र नियमित रूप से चिकित्सा शिविर आयोजित करता है और अन्य संगठनों/संस्थानों एवं प्रयोगशालाओं के साथ बी2बी मॉडल व्यवसाय करता है। हिंदलैब्स आरसीसी रोगियों के इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफ/कार्डियोलॉजी परामर्श का समर्थन करता है। केंद्र मेडिकल कॉलेज विभाग, श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टिट्यूट ऑफ बायो साइंसेज़, आरसीसी और मेडिकल कॉलेज के प्रोजेक्ट /रिसर्च के नैदानिक अध्ययन का भी समर्थन करता है। औसतन लगभग 400 लोग प्रति दिन हिंदलैब्स (ट्रिडा) सेवाओं से लाभ उठाते हैं। एचएलएल के पास अखिल भारतीय आधार पर 48 हिंदलैब इमेजिंग केंद्र और 224 हिंदलैब्स डायग्नोस्टिक लैब हैं। ●

एचएलएल को संशोधित स्पेसर बलून के लिए इंडियन पेटेंट

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के कॉर्पोरेट अनुसंधान प्रभाग (सीआरडीसी) को अपने नए विकसित अपनी तरह के पहले संशोधित स्पेसर बलून डिवाइस पर पेटेंट से सम्मानित किया गया है। इस प्रतिष्ठित मान्यता के साथ, एचएलएल सीआरडीसी ने अपनी सीमा में एक और उपलब्धि जोड़ दी है।

संशोधित स्पेसर बलून को एचएलएल सीआरडीसी में पूरी तरह से आंतरिक रूप से विकसित किया गया था और नैदानिक परीक्षण क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पी जी आई एम ई आर), चंडीगढ़ में किया गया था। यह अनुसंधान डॉ. अबी संतोष अप्रेम, ए वी पी (आर & डी), श्रीमती सुजा बी, उप प्रबंधक (लैटेक्स प्रौद्योगिकी) और आरसीसी से डॉ.रघु कुमार एवं डॉ.रघुराम के. नायर की एक टीम द्वारा किया गया।

ब्रैकीथेरेपी एक रेडियेशन उपचार प्रक्रिया है, जिसमें स्रोत विकिरण को कैंसर त्रसित क्षेत्रों के पास रखा जाता है ताकि त्रसित भागों को सठीक और परिकलित विकिरण खुराक प्रदान की जा सके। सर्वाइकल कैंसर के मामले में जब विकिरण का स्रोत कैंसरयुक्त सर्वाइकल के पास रखा जाता है तो पास के महत्वपूर्ण अंग जैसे मूत्राशय और मलाशय भी विकिरण से त्रसित होते हैं। 'सरवाइकल स्पेसर' एक ब्रेकीथेरेपी विकिरण उपचार सहायता का विकास है जिसमें स्वतंत्र रूप से इन्फ्लेटेबल कैविटीस होती हैं जो विकिरण स्रोत को घेर सकती हैं और महत्वपूर्ण अंगों को विकिरण स्रोत से यथासंभव दूर रखने के लिए रेडियल रूप से बाहर की ओर फैल सकती हैं। इस उपकरण को बाहर निकाला जा सकता है, क्लिनिकल प्लानिंग प्रक्रिया के दौरान बहुत आसानी से दोबारा लगाया जा सकता है और इसलिए सूती धुंध के पैकिंग के परंपरागत तरीके से रोगी को दर्द और परेशानी काफी कम हो जाती है।

नैदानिक अध्ययनों से पता चला है कि कीमोथेरेपी और अन्य विकिरण संबंधी प्रक्रियाओं के दौरान संशोधित स्पेसर बलून महत्वपूर्ण अंगों पर 25% विकिरण जोखिम को कम कर सकता है, दर्द को कम कर सकता है, उपचार समय को कम कर सकता है, पारंपरिक धुंध पैकिंग की तुलना में उपयोग में आसान और पुनरुत्पादित परिणाम में परिणत कर सकता है।

सर्वाइकल स्पेसर के लिए प्राप्त एवार्ड

- सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में पॉलिमर के प्रौद्योगिकी नवाचार के लिए 7 वाँ सिपेट राष्ट्रीय पुरस्कार।
- डी एस टी - लॉकहीड मार्टिन इंडिया नवाचार विकास कार्यक्रम, 2016

लाइफस्प्रिंग अस्पताल - मध्यवर्ग की महिलाओं को राहत

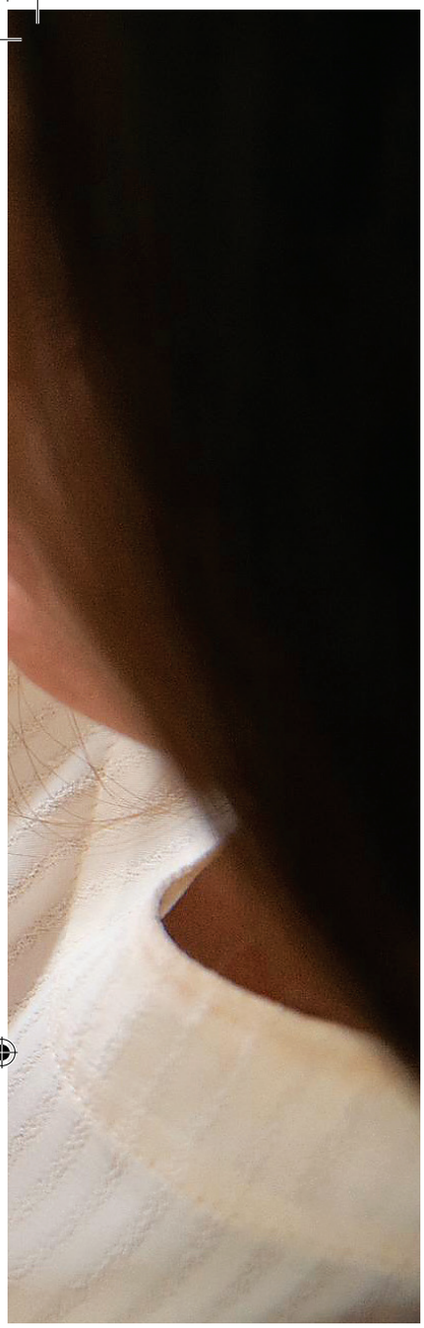

शहरी गरीब और मध्यवर्ग की महिलाओं को किफायती, उच्च गुणवत्ता, प्रोटोकॉल आधारित मातृत्व स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से लाइफस्प्रिंग अस्पताल स्थापित किया गया है। लाइफस्प्रिंग अस्पताल पिछले 15 वर्षों से, उपरोक्त उद्देश्यों के साथ हैदराबाद में लक्षित समुदायों की सेवा कर रहा है। महिलाओं के 90% कार्यबल के साथ, लाइफस्प्रिंग अस्पताल अपनी सेवायें प्रदान करने में बडी संख्या के महिलाओं को तैनात करने के अपने ऑपरेटिंग मॉडल के लिए भी मान्यता प्राप्त किया गया है। यह वर्तमान में हैदराबाद, तेलंगाना के शहरों में दस प्रसूति अस्पताल संचालित करता है। यह मातृत्व सेवाएं प्रदान करता है, सभी स्त्री रोग संबंधी समस्याओं को निपटता है, लैप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं का संचालन करता है और बुनियादी बंध्यता उपचार प्रदान करता है। युवा उद्यमियों के साथ साझेदारी करते हुए, इस में इन-हाउस अल्ट्रासाउंड स्कैन सेंटर, प्रयोगशालाएँ और इन हाउस फार्मेसियों जैसी नैदानिक सुविधाएं भी हैं। लाइफस्प्रिंग अस्पताल ने वित्तीय वर्ष 2015-16 से स्थिरता की ओर बढना शुरू किया था और वित्तीय वर्ष 2017-18 से अपने मूल उद्देश्य पर टिके रहते हुए मुनाफा कमाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। लाइफस्प्रिंग अस्पताल ने "आउटरीच मार्केटिंग" की एक अनूठी विपणन रणनीति को अपनाई कि इसे किफायती सेवा प्रदाता के रूप में पदवी दी जा रही है। आउटरीच मार्केटिंग, भावी गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में समझाने और प्रसवपूर्व रक्षा के महत्व पर परामर्श देने की दृष्टि से उनसे मिलने के लिए उनके इलाके/कॉलोनी में उनके घरों तक पहूँचने में कंपनी को सक्षम बनाता है। अब तक लाइफस्प्रिंग अस्पताल ने अपने प्रारंभ से 9,85,347 बहिरंग रोगी, 1,01,373 अंतरंग रोगियों की सेवा की और वहाँ से 69,771 स्वस्थ्य शिशुओं की प्रसूति हुई। ●

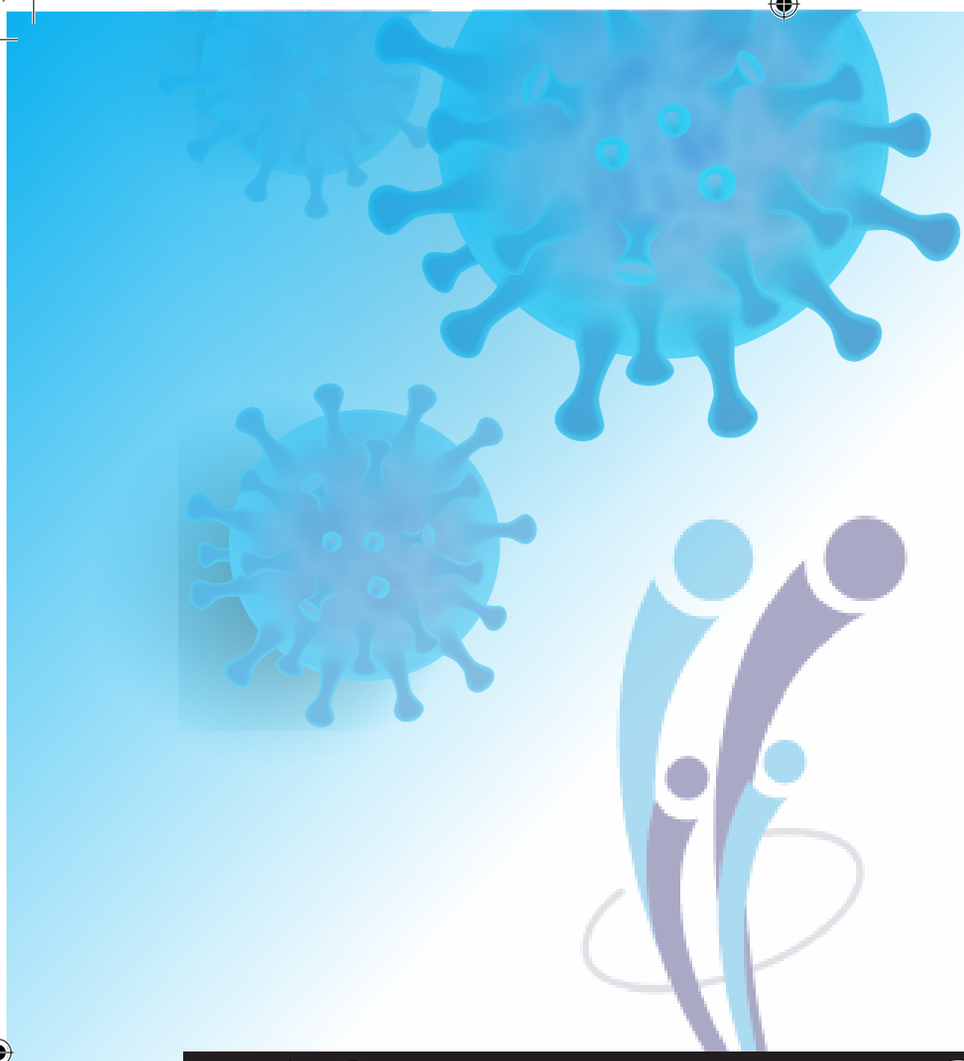

कोविड - 19 महामारी से मुकाबला करने में एचएलएफपीपीटी की भूमिका

मार्च 2020 में भारत सरकार द्वारा लॉकडाउन की घोषणा के पहले सप्ताह में ही एचएलएफपीपीटी ने कोविड 19 के सुरक्षा उपयोगों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई सत्रों का आयोजन किया और जन समुदाय के लिए टेली परामर्श सेवाएं भी प्रदान की।

एचएलएफपीपीटी ने दिल्ली में मोबाइल स्वास्थ्य क्लिनिक, एक अभिनव पहल भी शुरू किया है, जहाँ इसके चिकित्सा अधिकारियों ने कॉल पर परामर्श की पेशकश की। मोबाइल मेडिकल यूनिट ने जरूरतमंद लोगों को उनके दरवाज़ों पर आपातकालीन दवाएं पहुंचाई। भीकाजी कामा प्लेइस पी टी सी कार्यालय, दिल्ली में 24 X 7 चिकित्सा, आपातकालीन सेवा के लिए एक मोबाइल स्वास्थ्य क्लिनिक भी खोला गया था।

कोविड - 19 टीकाकरण

एचएलएफपीपीटी ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अधीन अपने सहकर्मी शिक्षकों और साथिया ब्रिगेड टीम के सदस्यों (18 वर्ष से अधिक आयु) के लिए 100% कोविड टीकाकरण सुनिश्चित किया। 1900 से अधिक सहकर्मी शिक्षकों और 23800 से अधिक ब्रिगेड सदस्यों को कोविड 19 टीकाकरण किया गया है।

इंदु अस्पताल, अलवार में कोविड - 19 महामारी के लिए एचएलएफपीपीटी का समर्थन

एचएलएफपीपीटी ने इंदु अस्पताल, अलवार में कर्मचारियों के लिए एक कोविड प्रोटोकॉल मॉड्यूल तैयार किया और स्क्रीनिंग पॉइंट संस्थापित करने, रोगियों की डेटा कैप्चर करने, संदिग्ध मामलों की पहचान करने और संकटपूर्ण मामलों के समय पर रेफरल करने के लिए समर्थन की पेशकश की।

एचएलएफपीपीटी के कार्यकलाप – सिंहावलोकन

अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस

एचएलएफपीपीटी ने ईसीएल के सहयोग से पश्चिम बंगाल और झारखंड में अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस मनाया। पश्चिम बंगाल और झारखंड के गावों में आयोजित इस कार्यक्रम और शिविर में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों राज्यों के डॉक्टरों ने संचरण के तरीके, क्या करें और क्या न करें, प्रस्तुति के सामाजिक उत्तरदायित्व मोड, लाइव उदाहरणों, एचआईवी आदि के शुरुआती संकेत और लक्षण आदि के बारे बताया।

खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण

स्ट्रीट फूड्स पुराने ज़माने के व्यंजनों का भंडार है। हर राज्य की अपनी प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड संस्कृति है जो अपने स्थानीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को प्रदर्शित करती है। सभी खाने की शौकीनों के लिए एक सुरक्षित और पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए एफएसएसएआई फोस्टाक प्रमाणन के अधीन एचएलएफपीपीटी ने पीएफएस और पीटीसी फाउंडेशन के सहयोग से 175 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर प्रशिक्षित करने की एक पहल की है। इस कार्यक्रम में दिल्ली के उत्तर पूर्व, उत्तर पश्चिम और दक्षिण पूर्व जिलों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व मास्टर ट्रेनर श्री धर्मेंद्र कुमार (एफएसएसएआई प्रमाणित ट्रेनर) ने किया, जिन्होंने खाद्य व्यवसाय में सर्वोत्तम प्रथाओं की शुरुआत की।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

एचएलएफपीपीटी ने ओडिशा के झारसुगुडा और संबलपुर जिले के 10 गांवों को समाविष्ट करके अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में 11 वर्ष से 19 वर्ष की आयु की किशोरियों के लिए प्रजनन और यौन स्वास्थ्य, पोषण की आवश्यकता, शिक्षा का महत्व, पोषण की कमी और कम उम्र में विवाह से नुकसान आदि पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

सेकेंड इन्निंग्स - वृद्धाश्रम

एचएलएफपीपीटी केरल में कन्नूर, कोल्लम और मलप्पुरम में 3 वृद्धाश्रमों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। वृद्धाश्रम, वहाँ के सहवासियों के लिए बुनियादी सुविधाएं - भोजन, आश्रय, कपड़े, दवाएं और मनोरंजन के अवसर प्रदान करते हैं। एचएलएफपीपीटी, विशेषज्ञ द्वारा उपचार के साथ अनुकंपा और अनुकूलित चिकित्सारक्षा और सक्रिय दैनिक जीवन सुनिश्चित करने के लिए कार्यकलापों का मार्ग प्रदान करते हैं। सेकेंड इन्निंग्स घरों में रहनेवाले योगा, फूलदान बनाने, मास्क और सैनिटाइजर बनाने जैसी सभी कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

ट्रांसजेंडर की रक्षा

एचएलएफपीपीटी दिल्ली एनसीआर में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए सौंदर्य चिकित्सा में उपजीवन प्रशिक्षण लागू कर रहा है। ●

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक झलक (अप्रैल - अगस्त 2022)

अखिल भारतीय पुनश्चर्या कार्यक्रम

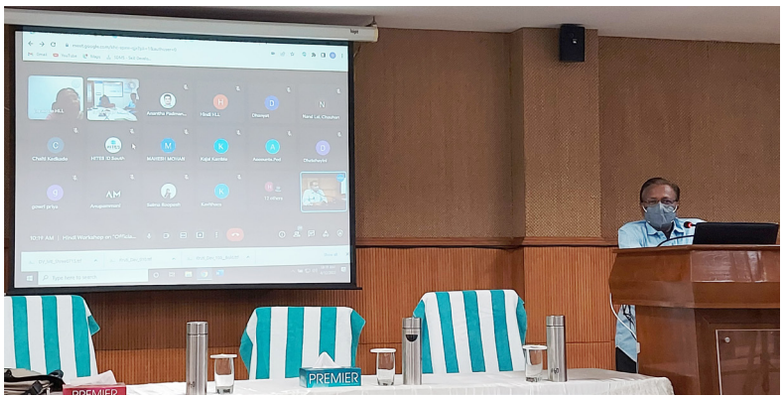

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और एचएलएल प्रबंधन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में कंपनी के कर्मचारियों/अधिकारियों को अपना शासकीय काम हिंदी में भी करने को प्रेरित करने एवं उसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने की ओर 12.04.2022 को ऑफलाइन/ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित राजभाषा नीति और टिप्पण एवं आलेखन पर अखिल भारतीय पुनश्चर्या कार्यक्रम से 57 अधिकारी/कर्मचारी प्रशिक्षित किए गए। एचएलएल - सीआरडीसी में आयोजित इस कार्यशाला में डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) ने सबका स्वागत किया । इस कार्यशाला में श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, तिरुवनंतपुरम ने क्लास का संचालन किया। डॉ. सुरेष कुमार, प्रबंधक (राजभाषा) ने सब को कृतज्ञता अदा किया। ●

भारतीय भाषा कवि सम्मेलन

कविताएँ भारतीय संस्कृति और चेतना के अभिन्न अंग हैं। भारतीय भाषा कवि सम्मेलन का उद्देश्य, सभी भारतीय भाषाओं की समकालीन कविता में आपसी संपर्क और समन्वित प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और भाषाई सद्भाव के लिए एक रचनात्मक मंच प्रदान करना है। वर्ष के दौरान एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड की ओर से 22 अप्रैल 2022 को ऑनलाइन के ज़रिए भारतीय भाषा कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इससे हमारा लक्ष्य है, कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वरचित कवितायें, चाहे वह मातृभाषा में हो या हिंदी में हो, प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान करके उनकी सर्गात्मकता को विकसित करना, जिससे मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानार्जन भी होता है। मलयालम से हिंदी में अनूदत कविता का आलापन करके कंपनी के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री ई.ए.सुब्रमण्यन ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में कंपनी के विविध यूनिटों और सहायक कंपनियों से 47 अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपनी कवितायें प्रस्तुत की गयीं। आगे, सभी प्रतिभागियों को रु.500/- का नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। कंपनी के सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ.वी.के.जयश्री और प्रबंधक (राजभाषा), डॉ.सुरेष कुमार.आर ने स्वागत एवं कृतज्ञता का काम संभाला। ●

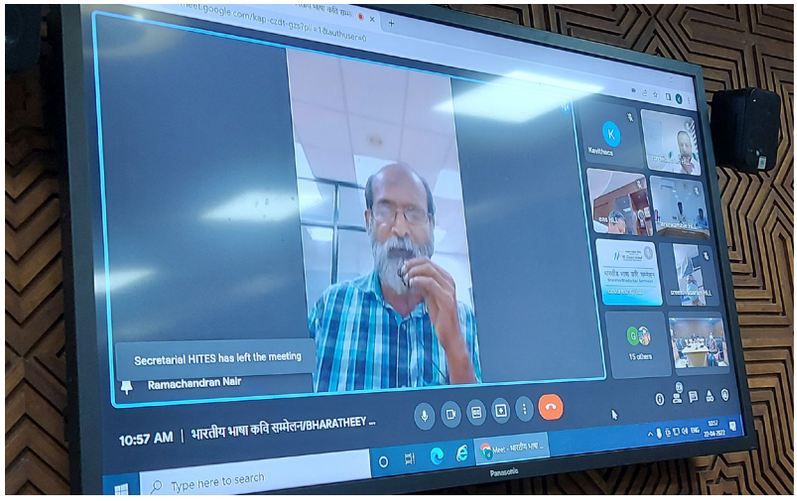

स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से राजभाषा निरीक्षण

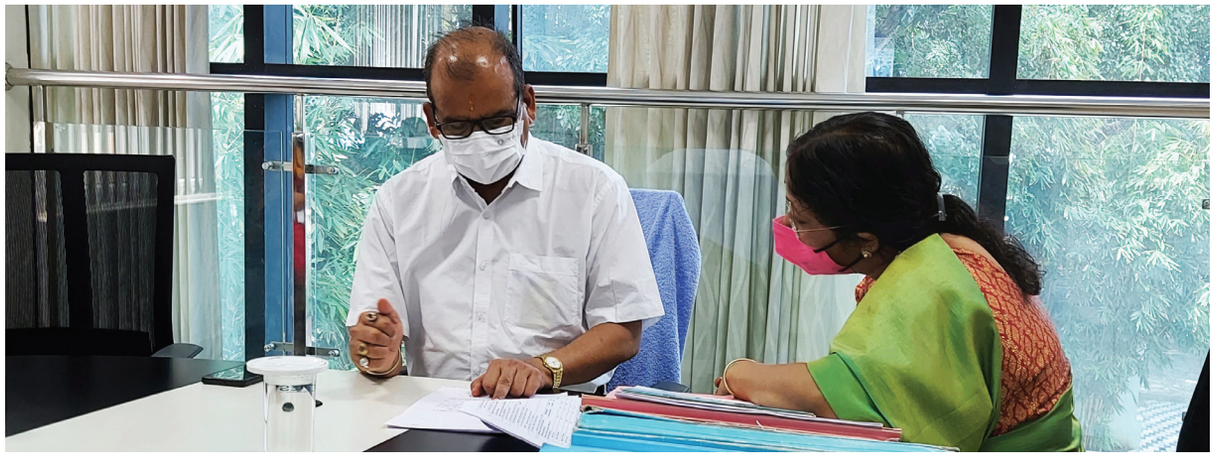

गृह मंत्रालय एवं संबंधित मंत्रालय द्वारा हर साल केंद्र सरकार के कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया जाता है। इसके मद्देनज़र श्री दिलीप कुमार निगम, उप निदेशक (राजभाषा), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 15.06.2022 को एचएलएल - निगमित मुख्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निगमित मुख्यालय के सभागार में पूर्वाह्न 11.30 बजे को आयोजित राजभाषा निरीक्षण में मुख्यालय के हिंदी विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित हुए। निरीक्षण के बाद श्री दिलीप कुमार निगम ने एचएलएल द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन के क्षेत्र में की गयी उपलब्धियों की खूब सराहना की और इस क्षेत्र में और भी प्रगति लाने की ओर आवश्यक मार्गनिर्देश दिये। बाद में राजभाषा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली की तरफ से विस्तृत रिपोर्ट भी दी गयी। ●

अनुभाग बैठक

कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में अनवरत प्रगति लाने की ओर सभी यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हम माहवार राजभाषा प्रशिक्षण या कार्यशाला आयोजित करते रहते हैं। इसके अलावा प्रत्येक अनुभाग के हिंदी कार्यान्वयन में अधिक ध्यान देने के लिए एचएलएल निगमित मुख्यालय के मानव संसाधन विभाग के लिए 27 जुलाई 2022 को आयोजित अनुभाग बैठक से 22 कर्मचारियों ने लाभ उठाया। बाद में सचिवालयीन और आई टी अनुभागों के लिए क्रमशः 3 एवं 10 अगस्त 2022 को आयोजित बैठकों में कुल 25 अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति हुई। इस अवसर पर डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), एचएलएल ने इन अनुभागों के सभी कर्मचारियों को राजभाषा नीति के बारे में जागरूकता प्रदान की। ●

राजभाषा नीति एवं निर्धारित लक्ष्यों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

एचएलएल - निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 14.06.2022 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक उच्च कार्यपालकों के लिए आयोजित 'राजभाषा नीति एवं निर्धारित लक्ष्यों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' का उद्घाटन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने किया। उन्होंने अपने भाषण में राजभाषा से जुडे कार्यों के बारे में उच्च कार्यपालकों को अवगत कराने की आवश्यकता पर ज़ोर दी। ऑफलाइन/ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के उप निदेशक (राजभाषा), श्री दिलीप कुमार निगम ने क्लास लिया। उन्होंने पावर पोयिंट प्रस्तुतीकरण के ज़रिए राजभाषा अधिनियम, नियम, राष्ट्रपति के आदेश, वार्षिक कार्यक्रम आदि बातों पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में एचएलएल के सभी यूनिटों के उच्च कार्यपालक एवं हिंदी स्टॉफ सहित 165 कर्मचारियों की भागीदारी हुई। डॉ.वी. के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) एवं डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। प्रत्येक यूनिट के कर्मचारियों की प्रतिक्रिया से यह मालूम हुआ कि यह कार्यक्रम उनके लिए अत्यंत लाभदायक रहा। ●

राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम

कंपनी के कर्मचारियों को राजभाषा नीति के बारे में अवगत करते हुए हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने की ओर 11.05.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कंपनी के सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ.वी.के.जयश्री ने क्लास लिया। कंपनी के विविध यूनिटों एवं कार्यालयों के 30 कर्मचारियों ने इस क्लास से लाभ उठाया। ●

स्वास्थ्य मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक में भागीदारी

नई दिल्ली में 28.06.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में एचएलएल के सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और प्रबंधक (राजभाषा) ने भाग लिया। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव ने इस समारोह की अध्यक्षता की। श्री परमानंद आर्या, निदेशक ने मुख्य भाषण दिया। श्री दिलीप कुमार निगम, उप निदेशक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव ने कार्यसूची मदों को प्रस्तुत करते हुए धारा 3 (3), नियम (5), पत्राचार, नोटिंग, हिंदी कार्यशाला, अंग्रेज़ी में प्राप्त पत्रों का हिंदी में उत्तर देना आदि मदों पर कार्यालयों को अधिक ध्यान देने पर ज़ोर दी। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय के राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की प्रगति वहाँ के कार्यालय अध्यक्ष के समर्थन पर ही निर्भर होता है। श्री दिलीप कुमार निगम, उप निदेशक (राजभाषा) ने हर कार्यालय की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए मार्गनिर्देश दिये। बाद में, प्रत्येक हिंदी स्टॉफ अपने कार्यालय के हिंदी कार्यान्वयन के मुख्य बातों को प्रस्तुत किया। ●

— टिप्पणियाँ/Notings —

1	A brief note is placed below	संक्षिप्त नोट नीचे रखा है।
2	Action may be taken as proposed	यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
3	Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
4	Draft for approval	प्रारूप/मसौदा अनुमोदनार्थ।
5	Discrepancy may be reconciled	विसंगति का समाधान किया जाए।
6	Draft as amended is put up	यथा संशोधित मसौदा प्रस्तुत है।
7	Early action in the matter is requested	अनुरोध है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करें।
8	Early orders are solicited	शीघ्र आदेश देने का अनुरोध करें।
9	Explanation may be called for	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
10	Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई।
11	For favourable action	अनुकूल कार्रवाई के लिए ।
12	For further action	अगली/आगे की कार्रवाई के लिए।
13	Forwarded and recommended	अग्रेषित और संस्तुत
14	I fully agree with the office note	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूँ।
15	I have no further comments	मुझे कुछ नहीं कहना है।
16	Issue today	आज ही जारी करें।
17	Matter is under consideration	विषय /मामला विचाराधीन है।
18	May be treated as urgent	इसे अति आवश्यक समझा जाए।
19	May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए।
20	No action required/necessary	किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं।
21	Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन करें।
22	Put up for verification	सत्यापन के लिए प्रस्तुत करें।
23	Reminder may be sent	अनुस्मारक/स्मरण पत्र भेजा जाए।
24	Self contained note	स्वतः पूर्ण टिप्पणी।
25	The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव नियमानुकूल है।
26	To the best of knowledge and belief	जानकारी एवं विश्वास के अनुसार
27	Urgently required	अविलंब चाहिए/ तुरंत चाहिए
28	With regards	सादर

— एचएलएल शब्दावली —

Long term	दीर्घकालिक
Loss	हानि
Lower class	निचली श्रेणी
M.pcs	दशलक्ष अदद
Maintenance	अनुरक्षण
Management	प्रबंधन
Manager	प्रबंधक
Managing committee	प्रबंध समिति
Managing Director	प्रबंध निदेशक
Manpower	जनशक्ति
Manual	पुस्तिका
Manufacture	विनिर्माण
Manufactured products	विनिर्मित उत्पाद
Marginal note	हाशिया टिप्पणी
Market value	बाज़ार मूल्य
Marketing	विपणन
Material consumed	खपा हुआ माल
Maternity leave	प्रसूति अवकाश
Matter	मामला
Maximum	अधिकतम
Medical leave	चिकित्सा अवकाश
Medical reimbursement	चिकित्साव्यय प्रतिपूर्ति
Medical report	चिकित्सा रिपोर्ट
Medical sciences	चिकित्सा विज्ञान
Member	सदस्य
Membership	सदस्यता
Memorandum	ज्ञापन
Memorandum of understanding	समझौता ज्ञापन
Mentioned	उल्लिखित

Method	प्रणाली
Minimum	न्यूनतम/कम से कम
Miscellaneous	विविध
Miscellaneous expense	विविध व्यय
Misconduct	दुराचार
Mission	दौत्य
Mode	प्रकार
Modernisation	आधुनिकीकरण
Modifications	परिवर्तन
Monitoring	अनुवीक्षण
Mortgage	बंधक
Most immediate	अति तत्काल
Motto	आदर्शवाक्य
Movable	चल
National	राष्ट्रीय
National Award	राष्ट्रीय पुरस्कार
Nature	प्रकृति/स्वभाव
Near relative	निकट संबंधी
Nearly	लगभग
Necessary action	आवश्यक कार्रवाई
Needle destroyer	सूई विनाशक
Neglect	उपेक्षा
Neglect of work	कार्य की उपेक्षा
Negligence	लापरवाही
Negotiate	बातचीत करना
Net	निवल
Net amount	निवल राशि
Net assets	निवल परिसंपत्तियाँ
Net investment	निवल निवेश
Net loss	निवल हानि
Net profit	निवल लाभ
Net value	निवल मूल्य

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्रीमती सुमन प्रभा
एम जी-6
एचएलएल हाइट्स - नोएडा

देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर आज़ादी का अमृत महोत्सव शुरू हो गया है। पूरे देश में यह महोत्सव मनाया जा रहा है। हम सब जानते हैं कि 12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने नमक सत्याग्रह की शुरुआत की थी। 2020 में नमक सत्याग्रह के 91 वर्ष पूरे होने पर देश के प्रधानमंत्री जी ने साबरमती आश्रम से अमृत महोत्सव की शुरूआत, पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर की थी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

15 अगस्त, 2022 को देश की आज़ादी के 75 साल पूरे हो गये हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए 75 वीं वर्षगांठ से एक साल पहले यानी 15 अगस्त 2021 से शुरूआत हुई थी। आज़ादी का अमृत महोत्सव 15 अगस्त 2023 तक जारी रहेंगा।

अमृत महोत्सव यानी नए संकल्पों का अमृत

आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी आज़ादी की ऊर्जा का अमृत। आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणाओं का अमृत। आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी नए विचारों यानी स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणाओं का अमृत। आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी नए विचारों का अमृत। नए संकल्पों का अमृत। आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी आत्मनिर्भरता का अमृत।

देश की 75 वीं वर्षगांठ से मतलब

देश की 75 वीं वर्षगांठ से मतलब 75 साल पर विचार, 75 साल पर उपलब्धियां, 75 पर एक्शन और 75 पर संकल्प शामिल हैं, जो स्वतंत्र भारत के सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

दंडी मार्च की 91 वीं वर्षगांठ पर क्यों शुरू किया अमृत महोत्सव

दंडी मार्च को नमक सत्याग्रह के तौर पर भी जाना जाता है। नमक भारत की आत्मनिर्भरता का एक प्रतीक था। अंग्रेज़ों ने भारत के मूल्यों के साथ-साथ इस आत्मनिर्भरता पर भी चोट की। महात्मा गाँधी ने देश के दर्द को महसूस किया और नमक सत्याग्रह के रूप में लोगों की परेशानी को समझा, इसलिए वह आंदोलन जन-जन का आंदोलन बन गया था। इसलिए इस विकास से दुनिया के विकास को भी प्रोत्साहन मिले।

वोकल फॉर लोकल

'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने की ज़रूरत है। खरीदारी मतलब 'वोकल फॉर लोकल'। आप लोकल सामान खरीदेंगे तो आपका त्योहार भी रोशन होगा और किसी गरीब भाई-बहन, किसी कारीगर, किसी बुनकर के घर में भी रोशनी आएगी। "ऐसा नहीं है कि हमारे युवा वर्ग में प्रतिभाओं की कोई कमी है उनमें सिर्फ प्रोत्साहन की कमी है जो मुहिम हम सबने मिलकर शुरू की है, इससे देश मज़बूत बनेगा आत्मनिर्भर बनेगा हमारे त्योहारों में और भी मजबूती आएगी " और हमारा जो उत्पाद हैं वे एक दिन लोकल से ग्लोबल बन जायेंगे। आप एक कदम आगे बढ़ाकर तो देखिए।

मेक इन इंडिया

किसी ने कोरोना वायरस बनाया और पूरे विश्व में फैला दिया जिससे हमारा देश भारत भी अछूता नहीं रहा। मोदीजी ने हमें जागरूक किया और बताया कि मेक इन इंडिया भारत के लिए कितनी ज़रूरी है, जिससे देशवासियों की जान बच पाई, वैक्सीन से इतनी बडी सफलता हासिल हो चुकी हैं। इसलिए आप सबसे मेरा अनुरोध है कि भारत में नए-नए आविष्कार करें और भारत के बने सामान का इस्तेमाल करें।

अच्छे हथियार नहीं थे अब हमने स्वदेशी हथियारों का कारखाना शुरू किया और दुश्मन को सबक सिखाया। अब हमारे सैनिक नहीं दुश्मन मारा जाता है। हमारा 75 वर्षों का असली आज़ादी का अमृत महोत्सव यही होगा।

भारत की पराधीनता और उसका शोषण : हमारे भारत को कभी सोने की चिडिया कहा जाता था। हमारा भारत कभी मानवता के सागर के लिए जाना जाता था। प्राचीन समय में हमारा देश सबसे उन्नत था। लेकिन कई सालों तक पराधीनता की वजह से हमारे देश की स्थिति ही बदल गई है। भारत आज के समय में दुर्बल, निर्धन और सिकुडकर रह गया है। स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए कई महान लोगों ने अपने प्राणों को त्याग दिया था।

लेकिन स्वाधीन होने के कई सालों बाद भी मानसिक रूप से हमने अभी तक स्वाधीन नहीं हो पाए हैं। हमने विदेशी संस्कृति, विदेशी भाषा को अपनाकर खुद को आज तक मानसिक पराधीनता से परिचित करवा रही है।

आज़ादी का अर्थ अखंडता नहीं :

सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी हमारे देश का पतन हो रहा है। देश के पराधीन होने की वजह से हम विदेशी संस्कृति और सभ्यता से बहुत ही बुरी तरह से प्रभावित हैं। आज हम स्वतंत्र होने के बाद भी अपनी संस्कृति और सभ्यता को पूरी तरह से भूल चुके हैं। हमें स्वाधीनता का सही मतलब पता होने की वजह से आज तक मानसिक पराधीनता के लिए हम स्वतंत्र होने का झूठा अनुभव और गर्व करते हैं। आज के समय में हमारी यह स्थिति हो गई है कि हम आज तक स्वाधीनता के मतलब को गलत समझ रहे हैं। आज हम स्वाधीनता के गलत अर्थ को स्वतंत्रता से लगा कर सबको अपनी अखंडता का परिचय दे रहे हैं।

"आज़ादी का अमृत महोत्सव"

आज जब हम आज़ादी की 75 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए "आज़ादी का अमृत महोत्सव "बना रहे हैं तो इस समय हम उन देश प्रेमियों को याद करते हैं, जिन्होंने अपने सारे सुखों को ठोकर मार कर अंग्रेज़ों से केवल इसलिए लोहा लिया था ताकि दूसरे देशवासी एवं भावी भारतीय सुख, चैन और सम्मान के साथ जी सके। निश्चित रूप से उनके बलिदान रंग लाए। परंतु अब हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम देश को इतना सुरक्षित और मज़बूत बनाएँ कि कभी कोई विदेशी इसकी ओर आँख उठाकर भी ना देख सके। केवल स्वतंत्रता दिवस में ही हमारा कर्तव्य पूरा नहीं हो जाता। हम सबको अपने-अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए और देश के हित में विभिन्न समस्याओं का सामना करना चाहिए।

राष्ट्रोन्नति में स्वाधीनता का महत्व :

हमारा यह कर्तव्य होता है कि हमें किसी भी राजनैतिक, सांस्कृतिक और किसी भी अन्य प्रकार की पराधीनता को अपनाना नहीं चाहिए। हर राष्ट्र के लिए स्वाधीनता का बहुत महत्व होता है। कोई भी राष्ट्र तभी उन्नति कर सकता जब वह स्वतंत्र हो। जो देश या जाति स्वाधीनता का मूल्य नहीं समझते हैं और स्वतंत्र होने के लिए प्रयत्न नहीं करते हैं, वे किसी न किसी दिन पराधीन ज़रूर हो जाते हैं और उनका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। स्वाधीनता को पाने के लिए कुरबानी देनी पड़ती है। स्वाधीनता का महत्व राष्ट्र में तभी होता है जब पराधीनता प्रकट नहीं होती है।

संक्षेप में कहें तो हमें "आत्मनिर्भर भारत शक्तिशाली भारत स्वावलंबी भारत" के सपने को सच करते हुए अपनी कर्तव्य-परायण भावना का परिचय राष्ट्र के प्रति समर्पित भावना से करना चाहिए, ताकि हम इतने शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर सके। ताकि भविष्य में कोई भी आसुरी शक्ति भारत की ओर आँख उठाकर भी न देख सकें। हमारे पूर्वजों ने हमें जो आज़ादी दी है, उसे हमें सुरक्षित रखना है तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रखना है। ●

मन के हारे हार है मन के जीते जीत

सिद्धार्थ शर्मा
सहायक परियोजना अभियंता (सिविल)
हाइट्स, नोएडा

संस्कृत की एक कहावत है - मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः अर्थात् मन ही मनुष्य के बन्धन और मोक्ष का कारण है। तात्पर्य यह है कि मन ही मनुष्य को सांसारिक बन्धनों में बाँधता है और मन ही बन्धनों से छुटकारा दिलाता है। यदि मन न चाहे तो व्यक्ति बडे-से-बडे बन्धनों की भी उपेक्षा कर सकता है। शंकराचार्य ने कहा कि 'जिसने मन को जीत लिया, उसने जगत को जीत लिया।' मन ही मनुष्य को स्वर्ग या नरक में बिठा देता है। स्वर्ग या नरक में जाने की कुंजी भगवान ने हमारे हाथों में ही दे रखी है।

इस उक्ति का आशय - मन के महत्व पर विचार करने के उपरांत प्रकरण संबंधी उक्ति के आशय पर विचार किया जाना आवश्यक है। यह उक्ति अपने पूर्णरूप में इस प्रकार है - दुःख-सुख सब कहँ परत है, पौरुष तजहु न मीत।

'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' अर्थात् दुःख और सुख तो सभी को होता है, इसलिए अपना पौरुष मत छोडो; क्योंकि हार और जीत को केवल मन के मानने अथवा न मानने पर ही निर्भर है, अर्थात् मन के द्वारा हार स्वीकार किए जाने पर व्यक्ति की हार सुनिश्चित है। इसके विपरीत यदि व्यक्ति का मन हार स्वीकार नहीं करता तो विपरीत परिस्थितियों में भी विजयश्री उसके चरण चूमती है। जय-पराजय, हानि-लाभ, यश-अपयश और दुःख-सुख सब मन के ही कारण हैं; इसलिए व्यक्ति जैसा अनुभव करेगा वैसा ही वह बन जायेगा।

मन की दृढ़ता के कुछ उदाहरण हमारे सामने हैं, जिनमें मन की संकल्प-शक्ति के द्वारा व्यक्तियों ने अपनी हार को विजयश्री में परिवर्तित कर दिया। महाभारत के युद्ध में पाण्डवों की जीत का कारण यही था कि श्रीकृष्ण ने उनके मनोबल को दृढ कर दिया था। नचिकेता ने न केवल मृत्यु को पराजित किया, अपितु यमराज से अपनी इच्छानुसार वरदान भी प्राप्त किए। सावित्री के मन ने यमराज के सामने भी हार नहीं मानी और अंत में अपने पति को मृत्यु के मुख से निकाल लाने में सफलता प्राप्त की।

अल्प साधनोंवाले महाराणा प्रताप ने अपने मन में दृढ-संकल्प करके मुगल सम्राट अकबर से युद्ध किया। शिवाजी ने बहुत थोडी सेना लेकर ही औरंगज़ेब के दाँत खट्टे कर दिए। द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका द्वारा किए गए अणुबम के विस्फोट ने जापान को पूरी तरह बरबाद कर दिया था, किंतु अपने मनोबल की दृढता के कारण आज वही जापान विश्व के गिने-चुने शक्ति संपन्न देशों में से एक है। दुबले-पतले गांधीजी ने अपने दृढ संकल्प से ब्रिटीश साम्राज्य की नींव को हिला दिया था। इस प्रकार के कितने ही उदाहरण प्रस्तुत किए जा सकते हैं, जिनसे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि हार-जीत मन की दृढता पर ही निर्भर है।

कर्म के सम्पादन में मन की शक्ति - प्रायः देखा गया है कि जिस काम के प्रति व्यक्ति का रुझान अधिक होता है, उस कार्य को वह कष्ट सहन करते हुए भी पूरा करता है। जैसे ही किसी कार्य के प्रति मन की आसक्ति कम हो जाती है, वैसे-वैसे ही उसे संपन्न करने के प्रयत्न भी शिथिल हो जाते हैं। हिमाच्छादित पर्वतों पर चढाई करनेवाले पर्वतारोहियों के मन में अपने कर्म के प्रति आसक्ति रहती है। आसक्ति की यह भावना उन्हें निरंतर आगे बढने के लिए प्रेरित करती रहती है।

सफलता की कुंजी - मन की स्थिरता, धैर्य एवं सतत कर्म - वस्तुतः मन की सफलता की कुंजी है। जब तक मन में किसी कार्य को करने की तीव्र इच्छा रहेगी, तब तक असफल होते हुए भी उस काम को करने की आशा बनी रहेगी। एक प्रसिद्ध कहानी है कि एक राजा कई बार अपने शत्रु से युद्ध करके पराजित हुए। उन्होंने पराजित होकर एकान्त कक्ष में बैठते समय वहाँ एक मकड़ी को ऊपर चढ़ते देखा। मकड़ी कई बार ऊपर चढ़ी, किंतु वह बार-बार गिरती रही। अंततः वह ऊपर चढ़ गयी। इससे राजा को अपार प्रेरणा मिली। उसने पुनः शक्ति का

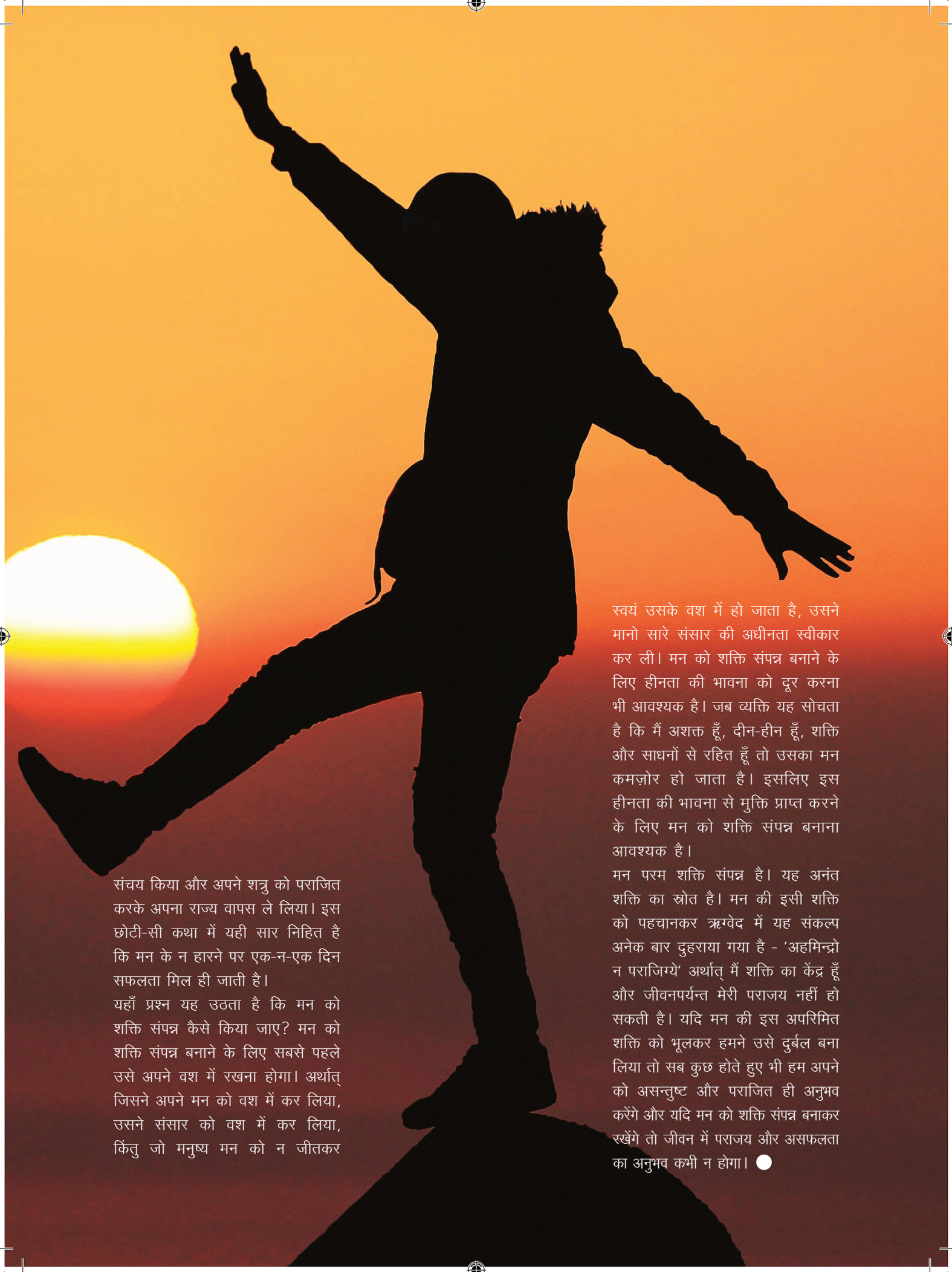

संचय किया और अपने शत्रु को पराजित करके अपना राज्य वापस ले लिया। इस छोटी-सी कथा में यही सार निहित है कि मन के न हारने पर एक-न-एक दिन सफलता मिल ही जाती है।

यहाँ प्रश्न यह उठता है कि मन को शक्ति संपन्न कैसे किया जाए? मन को शक्ति संपन्न बनाने के लिए सबसे पहले उसे अपने वश में रखना होगा। अर्थात् जिसने अपने मन को वश में कर लिया, उसने संसार को वश में कर लिया, किंतु जो मनुष्य मन को न जीतकर स्वयं उसके वश में हो जाता है, उसने मानो सारे संसार की अधीनता स्वीकार कर ली। मन को शक्ति संपन्न बनाने के लिए हीनता की भावना को दूर करना भी आवश्यक है। जब व्यक्ति यह सोचता है कि मैं अशक्त हूँ, दीन-हीन हूँ, शक्ति और साधनों से रहित हूँ तो उसका मन कमज़ोर हो जाता है। इसलिए इस हीनता की भावना से मुक्ति प्राप्त करने के लिए मन को शक्ति संपन्न बनाना आवश्यक है।

मन परम शक्ति संपन्न है। यह अनंत शक्ति का स्रोत है। मन की इसी शक्ति को पहचानकर ऋग्वेद में यह संकल्प अनेक बार दुहराया गया है - 'अहमिन्द्रो न पराजिग्ये' अर्थात् मैं शक्ति का केंद्र हूँ और जीवनपर्यन्त मेरी पराजय नहीं हो सकती है। यदि मन की इस अपरिमित शक्ति को भूलकर हमने उसे दुर्बल बना लिया तो सब कुछ होते हुए भी हम अपने को असन्तुष्ट और पराजित ही अनुभव करेंगे और यदि मन को शक्ति संपन्न बनाकर रखेंगे तो जीवन में पराजय और असफलता का अनुभव कभी न होगा। ●

भारतीय शिक्षा प्रणाली की करुण व्यथा

आशिष देव शुक्ला
परियोजना इंजीनियर
हाइट्स, नोएडा

इतिहास विषय की दुर्दशाः है प्रीत जहाँ की रीति सदा मैं गीत वहाँ की गाता हूँ, भारत का रहने वाला हूँ, भारत की बात सुनाता हूँ।

मैं इतिहास हूँ, कभी-कभी सोचता हूँ तो मैं भारत का, पर विदेशियों या विदेशी आक्रमणकारियों की गाथाओं से भारा पड़ा हूँ। सोचता हूँ अगर विदेशी नहीं आते तो मैं कोई विषय ही नहीं बनता, क्योंकि उसके पहले का कोई विस्तृत इतिहास पढ़ाया ही नहीं जाता हूँ। हमारा भारत देश, जिसकी सभ्यता एवं संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीनतम मानी जाती है, उस देश में इतिहास की पुस्तकों में यह पढ़ाया जाता है कि भारत की खोज वास्कोडिगामा ने की, जबकि इससे पहले भी विदेशी व्यापार होता था, विदेशी आक्रमण भी हुए।

कभी-कभी सोचता हूँ जिस देश में कई महान व्यक्तियों ने जन्म लिया, उस देश में इतने भीरु डरपोक और लालची लोग कैसे आ गए? जिस देश के इतिहास में सिर्फ सल्तनत-काल, खिलजी काल, तुग्लक वंश, मुगल काल, इसके लिए पूरा एक अध्याय दिया जाता है, जबकि भारतीय योद्धाओं के इतिहास को केवल चार पंक्तियों में सीमित कर दिया जाता है। जिस देश में आततायियों, आक्रमणकारियों, आतंकवादियों के नाम से हमारे नगरों, शहरों एवं सड़कों का नाम हो, ये कलंक मिटाने के स्थान पर लोगों ने इनके नाम अमर कर दिए। ये कैसे इतिहासकार थे हमारे देश के, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए बहुत कम उम्र में स्वयं को बलिदान कर दिए, उनको इतिहास के कुछ ही पंक्तियों में सीमित कर दिए और न जाने कितने महान योद्धाओं तथा बलिदानियों का नाम निशान तक नहीं है।

इतिहास में सामाजिक कुरीतियों तथा नारियों की दशा का किस तरह एक पक्ष दिखाया गया है, जैसे कि हिंदुओं में पर्दा प्रथा, सती प्रथा, बाल विवाह और मुसलमानों में तीन तलाक, हलाला और नकाब जैसे कुरीतियों को इतिहास में ज़िक्र बहुत कम ही मिलता है। कैसे ये इतिहास हैं कि, हम केवल इतिहास के सिर्फ एक ही पक्ष को देख पाते हैं। क्या इस इतिहास से सुधार की आवश्यकता नहीं है? आवश्यकता है देश की ऐतिहासिक दुर्दशा को सुधारने और सोचने की, आवश्यकता है जिन महान विभूतियों को हमने इतिहास में जाना नहीं, उन्हें जानने की और उन्हें अमर बनाने की। अब वर्तमान में (NATO) नाटो एवं (WHO) डब्लियु एच ओ जैसी शक्तिशाली संस्थाओं को ही देखिए, इतिहास में हम पढते हैं कि ये बहुत शक्तिशाली संस्थाएँ हैं, विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना ही इनका काम है, कोई देश आपस में युद्ध न करें। सभी सामंजस्य बनाकर रखें, लेकिन ये क्या हो रहे हैं कि रूस और युक्रेन को कोई भी देश शांत नहीं कर पा रहा है। ये सिर्फ इतिहास की पुस्तक में ही शक्तिशाली है। ●

पालने को हिलाने वाला हाथ देश पर राज करता है

हर्षिता पाहवा
उप प्रबंधक (वित्त और लेखा)
एचएलएल कनगला फैक्टरी

पालने को हिलाने वाली माँ होती है और वह अपने बच्चों के दिमाग पर अपना प्रभाव डालती है। वह अपने नेक गुणों से अपने बच्चों के चरित्र को ढालती है।

नेपोलियन ने कहा, ''मुझे अच्छी माताएँ दो, मैं तुम्हें एक अच्छा राष्ट्र दूँगा''। राष्ट्र निर्माण में माताओं की अहम भूमिका होती है। एक माँ होती है जो अपने बच्चों के मन में सबसे अच्छे और बुरे को छापने की शक्ति रखती है। माताएँ अपने बच्चों को बुराइयों से दूर रखती हैं। इसलिए माताओं को शिक्षित और सशक्त बनाया जाना चाहिए ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने में सक्षम हो सकीं। शिक्षित माताओं को अपने बच्चों की शिक्षा में मदद करने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

जिस दौर में किसी व्यक्ति का चरित्र सबसे अच्छा ढाला जाता है, वह उसका बचपन है। मनुष्य दूसरों की नकल करके उनसे सीखता है। एक बच्चा अपनी माँ की नकल करके सबसे अच्छा सीखता है। माताएँ अपने बच्चे के करियर और चरित्र को आकार देती हैं। सभी महान लोग महान हैं क्योंकि उन्होंने अपनी माताओं से महान प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

सिंहासन के पीछे माँ की शक्ति है। इसलिए माताओं के कंधों पर बडी जिम्मेदारी होती है। अतः, प्रत्येक राष्ट्र को माताओं को सशक्त और शिक्षित करने के लिए पर्याप्त प्रयास करना चाहिए, ताकि वे राष्ट्र के निर्माण की जिम्मेदारी उठा सकें। ●

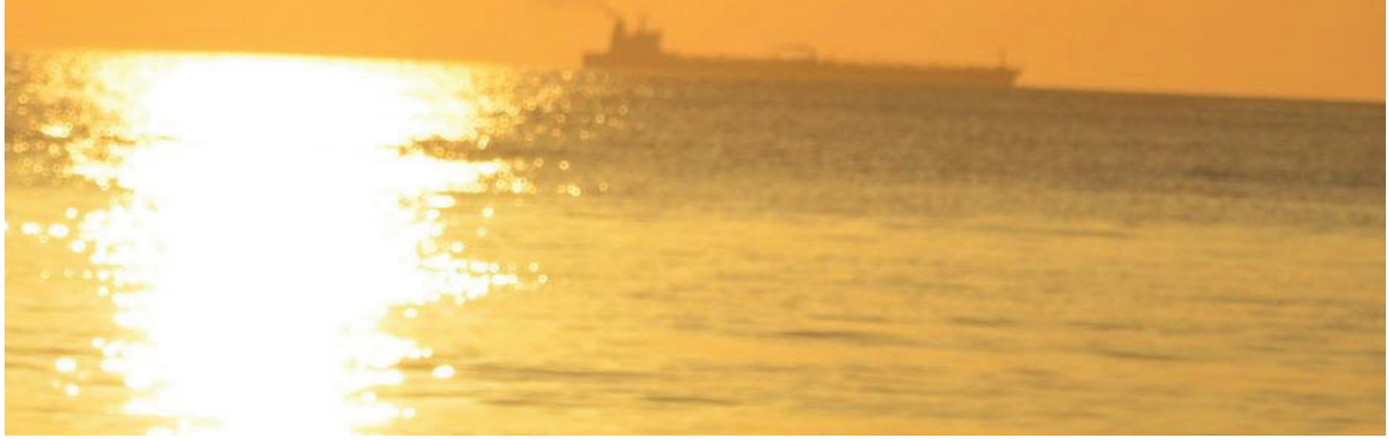

आदर - सम्मान

केरल राज्य औषध एवं फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, आलप्पुषा में प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यग्रहण करने से, 30 अप्रैल 2022 को एचएलएल से कार्यमुक्त होने वाले श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) को एचएलएल की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तरफ से पुरस्कार प्रदान करते हैं एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस। साथ हैं - श्री टी.राजशेखर, निदेशक (विपणन), डॉ.रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा)। आगे, तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की तरफ से नकद पुरस्कार प्रदान करते हुए उनका आदर-सम्मान किया गया।

31 मई 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले श्री विनोद जी.पिल्लै, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सोर्सिंग), एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को एचएलएल की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तरफ से नकद पुरस्कार प्रदान करते हुए उनका आदर - सम्मान करते हैं श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल। देखे हैं - डॉ.रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), डॉ.वी.के. जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा)।

ताज़ा खबर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्रीमती गीता शर्मा, निदेशक (वित्त), श्री संतोष चेरियान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (वित्त) 21 अप्रैल 2022 को इंस्टीट्यूट ऑफ कोस्ट अकाउंट ऑफ इंडिया द्वारा संस्थापित लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर वित्तीय टीम के साथ।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 27 अप्रैल 2022 को कर्मचारी रिक्रिएशन क्लब (चीयर्स क्लब) आक्कुलम फैक्टरी के कार्यकलापों का उद्घाटन कर रहे हैं।

श्री के. बेजी जोर्ज आईआरटीएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 05 अप्रैल 2022 को मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, पेरूरकडा, तिरुवनंतपुरम में पुनर्निर्मित 'महिलाओं के लिए फैमिली वार्ड' का उद्घाटन कर रहे हैं।

डॉ. रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) 05 अप्रैल 2022 को केन्द्रीय विद्यालय स्कूल, एस ए पी कैंप, पेरूरकडा को नए कंप्यूटर सौंपते हैं। श्री जी. कृष्णकुमार, यूनिट मुख्य, पीएफटी को भी देखा जाता है।

श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 07 अप्रैल 2022 को मैरियन प्ले होम, मन्नन्तला, तिरुवनंतपुरम में सेंसरी रूम और चिकित्सीय सुविधा का उद्घाटन कर रहे हैं।

कनगला फैक्टरी द्वारा बुगेट अलूर गाँव, बेलगाम जिले में आयोजित एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम।

पिंक महिला फोरम के तत्वावधान में 03.06.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित कार्यक्रम में 'आज की महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता उपाय' विषय पर भाषण देती हैं डॉ.बिंदु नंपीशन, अतिरिक्त प्रोफसर, आलप्पुष़ा मेडिकल कॉलेज।

पेरूरकडा फैक्टरी में 21 मई 2022 को आयोजित ''श्रमिक विकास कार्यक्रम''।

पेरूरकडा और आक्कुलम फैक्टरी के ''पर्यवेक्षकों के लिए कार्यशाला'' 20 मई, 2022 को एचएमए में आयोजित की गयी।

टीकेएम इंजीनियरिंग कॉलेज, कोल्लम में 27 मई 2022 को आयोजित एम - कप ''थिंकल'' के जागरूकता एवं वितरण कार्यक्रम ।

होटल प्रशांत, तिरुवनंतपुरम में 24-25 मई 2022 को आयोजित कार्यशाला '' कार्यपालकों के लिए 15 आवश्यक सिद्धांतों और आदतों के माध्यम से संगठनात्मक उद्देश्य और कैरियर सफलता प्राप्त करने पर सशक्तिकरण कार्यक्रम में कार्यपालकों के साथ श्री टीआरएस मेनन।

श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 05 अप्रैल 2022 को पेरूरकडा फैक्टरी में अल्ट्रा फिल्ट्रेशन यूनिट और रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट का उद्घाटन कर रहे हैं।

एचएलएल उच्च कार्यपालकों के लिए 04 अप्रैल 2022 को आयोजित नेतृत्व उत्कृष्टता पर विकास कार्यक्रम।

05 अप्रैल 2022 को सरकार केयर होम, पुलयनारकोट्टा, तिरुवनंतपुरम में सुविधा वृद्धि परियोजना का लॉच।

जनता के नेता और एक गतिशील निदेशक, श्री ई ए सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) को एचएलएल ने 31 अप्रैल 2022 को विदायी दी।

श्री विनोद जी पिल्लै, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (प्रभारी) (सोर्सिंग), श्री के.पी शशिकुमार, उपाध्यक्ष (क्यु&ए), श्री त्यागराजन एन, उपाध्यक्ष (वित्त) और श्रीमती निर्मला कुमारी (एम जी-5) की विदाई बैठक 31 मई 2022 को सी एच ओ में आयोजित की गयी।

एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 25.07.2022 को ''कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीडन - रोकथाम, निषेध, निवारक अधिनियम 2013" पर आयोजित कार्यक्रम में भाषण देती हैं डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), एचएलएल।

सत्यमेव जयते

स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

दवाओं और सर्जिकल
उपकरणों के लिए
60%
औसत छूट

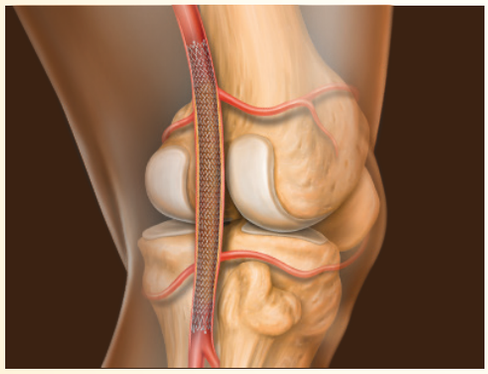

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार के एक नवीन पहल

www. amritcare.co.in

अमृत दीनदयाल मेडिकल्स

चिकित्सा के लिए किफायती दवायें और विश्वसनीय उपकरण

मूड्स

कंडोम